एक्सआईएसएस में किशोर स्वास्थ्य और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्यशाला संपन्न

रांची | एक्सआईएसएस ने पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई), नई दिल्ली के सहयोग से संस्थान में डेढ़-दिवसीय किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा समुदाय की आवाज को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. अनंत कुमार ने प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के पक्ष में जोर दिया। डॉ. अमर ई. तिग्गा ने भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तु स्थिति के बारे में बात की।

PRESS : DAINIK BHASKAR

एक्सआईएसएस में यौन स्वास्थ्य पर कार्यशाला

रांची, विशेष संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के सहयोग से शनिवार को किशोर प्रजनन और यौन स्वास्थ्य (अर्श) व समुदाय की आवाज मुखर करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शुरुआत करते हुए रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने राज्य में किशोर प्रजनन स्वास्थ्य को संबोधित करने के महत्व को बताया। एक्सआईएसएस के डीन, अकादमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तुस्थिति से अवगत कराया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश की बात की, जहां खेल और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है। वहीं, डॉ राजश्री वर्मा ने कार्यशाला की जरूरत और उद्देश्यों के बारे में बताया।

कार्यशाला में पीएफआई की एसोसिएट लीड, रिया ठाकुर, शिवांगी त्रिपाठी, शौविक और नीलांशु कुमार ने भी अपने विचार साझा किए।

PRESS : HINDUSTAN

एक्सआईएसएस में यौन स्वास्थ्य पर कार्यशाला

रांची, विशेष संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के सहयोग से शनिवार को किशोर प्रजनन और यौन स्वास्थ्य (अर्श) व समुदाय की आवाज मुखर करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शुरुआत करते हुए रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने राज्य में किशोर प्रजनन स्वास्थ्य को संबोधित करने के महत्व को बताया। एक्सआईएसएस के डीन, अकादमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तुस्थिति से अवगत कराया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश की बात की, जहां खेल और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है। वहीं, डॉ राजश्री वर्मा ने कार्यशाला की जरूरत और उद्देश्यों के बारे में बताया।

कार्यशाला में पीएफआई की एसोसिएट लीड, रिया ठाकुर, शिवांगी त्रिपाठी, शौविक और नीलांशु कुमार ने भी अपने विचार साझा किए।

MAGZTER

EDZTER

Clipped from - Hindustan Times Hindi Ranchi - August 04, 2024

Read it digitally on the Edzter app

PRESS : HINDUSTAN TIMES

XISS, PFI hold workshop on ARSH

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, in collaboration with Population Foundation of India (PFI), New Delhi organized a one-and-a-half-day workshop on Adolescent Reproductive and Sexual Health (ARSH) and the use of digital platforms to amplify community voices on 2-3 August 2024 in XISS. Dr Anant Kumar, Head, Rural Management Programme, Dr Amar E. Tigga, Dean, Academics, Dr Raj Shree Verma, Assistant Professor, Riya Thakur, Associate Lead of PFI, Shivangi Tripathi, Shouvik, and Nilanshu Kumar discussed the uses of SnehAI, a tool to empower and protect adolescents, and engaged students in activities to raise awareness about ARSH.

PRESS : PIONEER

एक्सआईएसएस में किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा डिजिटल वकालत पर कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई), नई दिल्ली, के सहयोग से संस्थान में 2-3 अगस्त 2024 को किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य (अर्श) तथा समुदाय की आवाज को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर डेढ़-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने पीएफआई टीम का स्वागत किया तथा राज्य में किशोर प्रजनन स्वास्थ्य को संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, और बताया कि जहां प्रजनन दर अधिक है, तो वहीं कई जिलों में 40% लड़कियों की शादी अठारह वर्ष की आयु से पहले हो जाती है। उन्होंने प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के पक्ष में सिफारिश की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें उपचारात्मक, निवारक तथा प्रोत्साहनकारी स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया गया। एक्सआईएसएस के डीन, अकादमिक डॉ अमर ई. तिग्गा ने भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तुस्थिति से सबको अवगत कराया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों की बात की, जहां खेल और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन के छात्रों को कार्यशाला में सीखी गई बातों को सामाजिक लाभ के लिए लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ राज श्री वर्मा ने कार्यशाला की आवश्यकता और उद्देश्यों के बारे में बताया। पीएफआई की एसोसिएट लीड, सुश्री रिया ठाकुर ने कार्यशाला की शुरुआत की, उसके बाद प्रमुख मील के पत्थर और भावनात्मक मानचित्रण सत्र हुए और सहमति और प्रजनन अधिकारों पर चर्चा हुई। सुश्री शिवांगी त्रिपाठी, शौविक और नीलांशु कुमार ने स्नेहएआई के उपयोगों पर चर्चा की, जो किशोरों को सशक्त और संरक्षित करने का एक उपकरण है, और अर्श के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए छात्रों को गतिविधियों में शामिल किया। शामिल विषयों में सेक्स, जेंडर, सेक्सुअलिटी और कंसेंट शामिल थी, जिसमें कंसेंट को स्वतंत्र रूप से दिए जाने और रद्द करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यशाला में गर्भाधान, गर्भनिरोधक और राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई, इसके उद्देश्यों और कार्यान्वयन का विवरण दिया गया। दूसरे दिन, सुश्री रिया ने रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि अवसर मौजूद हैं, लेकिन उन तक की पहुंच असमान है। उन्होंने प्रभावी सरकारी हस्तक्षेप के लिए चार महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया: आवश्यकता, साक्ष्य, संसाधन और प्रभाव। कार्यशाला का समापन छात्रों के कई सवालों और हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक हुआ। कार्यक्रम का समन्वय डॉ राज श्री वर्मा ने किया।

PRESS : RASHTRIYA SAGAR

XISS Ranchi organised a 1.5-day workshop.

Staff Reporter(CT)

Ranchi: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi in collaboration with Population Foundation of India (PFI), New Delhi, organised a 1.5-day workshop on Adolescent Reproductive and Sexual Health (ARSH) and use of digital platforms to amplify community voice on 2-3 August 2024 at the Institute.Dr Anant Kumar, Head, Rural Management Programme welcomed the PFI team and highlighted the importance of addressing adolescent reproductive health in the state, where fertility rate is high, and in many districts 40% of girls are married before the age of eighteen. He emphasised the need for a push for reproductive and sexual health and hygiene, focusing on curative, preventive and promotive healthcare.Dr Amar E. Tigga, Dean, Academics, XISS, apprised everyone of the state of adolescent healthcare in India and talked about developed countries like Australia, where sports and health are given priority. He encouraged the students of Rural Management to apply what they learnt in the workshop for social benefit. Dr. Raj Shri Verma, Assistant Professor, Institute, explained the need and objectives of the workshop. Ms. Riya Thakur, Associate Lead, PFI, opened the workshop, followed by key milestones and emotional mapping sessions and discussions on consent and reproductive rights.Ms. Shivangi Tripathi, Mr. Shouvik and Mr. Nilanshu Kumar discussed the uses of SnehAI, a tool to empower and protect adolescents, and engaged students in activities to raise awareness about Arsh. Topics covered included sex, gender, sexuality and consent, emphasizing the need for consent to be freely given and revoked. The workshop also discussed conception, contraception and Rashtriya Kishori Swasthya Karyakram, detailing its objectives and implementation.On the second day, Ms. Riya emphasized on strategic engagement, stating that opportunities exist, but access to them is unequal. He outlined four important aspects for effective government intervention: need, evidence, resources and impact. The workshop concluded successfully with many questions from the students and a hearty vote of thanks. The event was coordinated by Dr. Raj Shri Verma.

PRESS : CHOICE TIMES

SOCIAL NEWS SEARCH

जल्द आ रहा है आपका
नया अखबार

एक्सआईएसएस में किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा डिजिटल वकालत पर कार्यशाला

यूटिलिटी

August 3, 2024 Social News Search

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई), नई दिल्ली, के सहयोग से संस्थान में 2-3 अगस्त 2024 को किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य (अर्श) तथा समुदाय की आवाज को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर डेढ़-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया.

रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने पीएफआई टीम का स्वागत किया तथा राज्य में किशोर प्रजनन स्वास्थ्य को संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, और बताया कि जहां प्रजनन दर अधिक है, तो वहीँ कई जिलों में 40% लड़कियों की शादी अठारह वर्ष की आयु से पहले हो जाती है. उन्होंने प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के पक्ष में सिफारिश की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें उपचारात्मक, निवारक तथा प्रोत्साहनकारी स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया गया.

एक्सआईएसएस के डीन, अकादमिक डॉ अमर ई. तिग्गा ने भारत में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तुस्थिति से सबको अवगत कराया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों की बात की, जहां खेल और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है. उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन के छात्रों को कार्यशाला में सीखी गई बातों को सामाजिक लाभ के लिए लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया. संस्थान की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ राज श्री वर्मा ने कार्यशाला की आवश्यकता और उद्देश्यों के बारे में बताया. पीएफआई की एसोसिएट लीड, सुश्री रिया ठाकुर ने कार्यशाला की शुरुआत की, उसके बाद प्रमुख मील के पत्थर और भावनात्मक मानचित्रण सत्र हुए और सहमति और प्रजनन अधिकारों पर चर्चा हुई.

सुश्री शिवांगी त्रिपाठी, श्री शौविक और श्री नीलांशु कुमार ने स्नेहएआई के उपयोगों पर चर्चा की, जो किशोरों को सशक्त और संरक्षित करने का एक उपकरण है, और अर्श के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए छात्रों को गतिविधियों में शामिल किया. शामिल विषयों में सेक्स, जेंडर, सेक्सुअलिटी और कंसेंट शामिल थी, जिसमें कंसेंट को स्वतंत्र रूप से दिए जाने और रद्द करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया. कार्यशाला में गर्भाधान, गर्भनिरोधक और राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई, इसके उद्देश्यों और कार्यान्वयन का विवरण दिया गया.

दूसरे दिन, सुश्री रिया ने रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि अवसर मौजूद हैं, लेकिन उन तक की पहुंच असमान है. उन्होंने प्रभावी सरकारी हस्तक्षेप के लिए चार महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया: आवश्यकता, साक्ष्य, संसाधन और प्रभाव. कार्यशाला का समापन छात्रों के कई सवालों और हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक हुआ. कार्यक्रम का समन्वय डॉ राज श्री वर्मा ने किया.

PRESS : SOCIAL NEWS SEARCH

- एक्सआईएसएस में किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा डिजिटल वकालत पर कार्यशाला

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (XISS Ranchi) रांची ने पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई) नई दिल्ली के सहयोग से संस्थान में 2-3 अगस्त 2024 को किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य (अर्श) तथा समुदाय की आवाज को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर डेढ़-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। रूरल मैनेजमेंट कार्यक्रम के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने पीएफआई टीम का स्वागत किया तथा राज्य में किशोर प्रजनन स्वास्थ्य को संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि जहां प्रजनन दर अधिक है, तो वहीं कई जिलों में 40% लड़कियों की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है। उन्होंने प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के पक्ष में सिफारिश की आवश्यकता पर जोर दिया। जिसमें उपचारात्मक, निवारक तथा प्रोत्साहनकारी स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया गया। एक्सआईएसएस के डीन अकादमिक डॉ अमर ई. तिग्गा ने देश में किशोर स्वास्थ्य सेवा की वस्तुस्थिति से सबको अवगत कराया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों की बात की, जहां खेल और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन के छात्रों को

के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान की असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ राजश्री वर्मा ने कार्यशाला की आवश्यकता और उद्देश्यों के बारे में बताया।

पीएफआई की एसोसिएट लीड रिया ठाकुर ने कार्यशाला की शुरुआत की। उसके बाद प्रमुख मील के पत्थर और भावनात्मक मानचित्रण सत्र हुए और सहमति और प्रजनन अधिकारों पर चर्चा हुई। शिवांगी त्रिपाठी, शौविक और नीलांशु कुमार ने स्नेहएआई के उपयोगों पर चर्चा की। जो किशोरों को सशक्त और संरक्षित करने का एक उपकरण है और अर्श के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए छात्रों को गतिविधियों में शामिल किया। शामिल विषयों में सेक्स, जेंडर, सेक्सुअलिटी और कंसेंट शामिल थी। जिसमें कंसेंट को स्वतंत्र रूप से दिए जाने और रद्द करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यशाला में गर्भाधान, गर्भनिरोधक और राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई। इसके उद्देश्यों और कार्यान्वयन का विवरण दिया गया। दूसरे दिन रिया ने रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अवसर मौजूद हैं लेकिन उन तक की पहुंच असमान है। उन्होंने प्रभावी सरकारी हस्तक्षेप के लिए चार महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया जिसमें आवश्यकता, साक्ष्य, संसाधन और प्रभाव शामिल है। कार्यशाला का समापन छात्रों के कई सवालों और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम का समन्वय डॉ राजश्री वर्मा ने किया।

PRESS : MAURYA NEWS